Total No. of Printed Pages—4

5 SEM TDC DSE HND (CBCS) 2 (H)

2025

(Nov/Dec)

HINDI

(Discipline Specific Elective)

(For Honours)

Paper : DSE–2

(छायावाद)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) छायावाद के किस कवि को 'शब्द-शिल्पी' कहा गया है?

(ख) छायावाद को स्वच्छंदतावाद किसने कहा?

(ग) 'जागो फिर एक बार' किसकी रचना है?

(घ) छायावादी काव्य का केन्द्रीय भाव क्या है?

(ङ) पठित कविता 'द्रुत झरो' के कवि कौन हैं?

(च) महादेवी वर्मा का जन्म कब हुआ था?

(छ) छायावादी काव्य की अन्तिम समय-सीमा क्या है?

(ज) महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा क्यों कहा जाता है?

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) अधरों में राग अमंद पिए
अलकों में मलयज बंद किए
तू अब तक सोई है आली
आखों में भरे विहाग री!

अथवा

देखते ही रूप मन प्रमुदित हुआ
प्राण भी आमोद से सुरभित हुआ
रस हुआ रसना में उसके बोलकर
स्पर्श करता सुख हृदय को खोलकर

(ख) दिये हैं मैंने जगत् को फूल-फल,
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल,
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल,
ठाट जीवन का वही
जो ढह गया है।

(Continued)

अथवा

आवृत सरसी उर सरसिज उठे
केशर के केश कली के छुटे
स्वर्ण शष्य आँचल
पृथ्वी का लहराया
सखि, वसंत आया!

(ग) कंकाल जाल जग में फैले
फिर नवल रुधिर, पल्लव लाली!
प्राणों की मर्मर में मुखरित
जीवन की मांसल हरियाली!

अथवा

सफल आज उसका तप संयम,
पिला अहिंसा स्तन्य सुधोपम,
हरती जन मन भय, भाव तम भ्रम,
जग जननी
जीवन विकासिनी।

(घ) जलते नभ में देख असंख्यक
स्नेह-हीन नित कितने दीपक
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत ले घिरता है बादल।
विहँस-विहँस मेरे दीपक जल।

अथवा

विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली!

(Turn Over)

3. "प्रसाद जी छायावादी काव्य-धारा के प्रतिनिधि कवि हैं।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

'कौन तुम! संसृति-जलनिधि तीर' कविता के कथानक पर प्रकाश डालिए।

4. निराला के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

निराला जी का परिचय देते हुए उनकी कविता 'सरोज स्मृति' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. सुमित्रानंदन पंत के काव्य-साहित्य का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'ताज' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

छायावादी कवि के रूप में सुमित्रानंदन पंत का महत्त्व निर्धारित कीजिए।

6. सिद्ध कीजिए कि महादेवी वर्मा ने दुःखवाद को अत्यंत मधुर और कोमल शब्दों में व्यक्त किया है। 10

अथवा

महादेवी वर्मा का जीवन परिचय देते हुए 'पंथ होने दो अपरिचित' कविता का सारांश लिखिए।

★★★